परक उ प 4 पृष्ठ

(3) [ ] + [ ] = [3]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर → (21)

हित दबाव समूह के चार दोष →

(1) → हिंसा को प्रोत्साहन :—

हित व दबाव समूह की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि इसमें हिंसा को प्रोत्साहन मिलता है। क्यों कि ये गलत तरीकों से अपने हितों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

(2) राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा :—

दबाव समूह की दूसरी दोष यह है कि इसमें राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा की जाती है। स्वार्थ गत हितों की पूर्ति के लिये राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा कर दी जाती है।

(3) हितों की साधना असंवैधानिक तरीकों से :—

हित व दबाव समूह गलत तरीकों से अपने हितों की अपेक्षा पूर्ति करते हैं। वह गलत तरीकों से अपने हितों की साधना करते हैं कि जिससे हिंसा को

BSEMP

के अंकों का योग

(4) लोकतंत्र के घातक :—

हित व दबाव समूह लोकतंत्र के घातक होते हैं। यह विभिन्न प्रकार से अपने व्यक्तिगत हितों की पूर्ति करते हैं जिससे राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा की जाती है।

उत्तर → (22)

प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के चार दोष :—

(1) भ्रष्टाचार की संभावना :—

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली में भ्रष्टाचार की संभावना रहती है। क्यों कि निर्वाचन में प्रतिनिधि भ्रामक प्रचार से जनता को गुमराह करते हैं। जिससे भ्रष्टाचार की संभावना रहती है।

(2) मतदाताओं के हितों की उपेक्षा :—

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली में मतदाताओं के हितों की उपेक्षा

BSEMP

(5) [ ] + [ ] = [6]
योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 5 के अंक — कुल अंक

मध्यप्रदेश

की जाती है। इसलिये यह प्रणाली अच्छी नहीं मानी जाती है। निर्वाचन क्षेत्र बड़ा रहता है। इसलिये मतदाताओं की उपेक्षा की जाती है।

(3) धन का अधिक व्यय :—

प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली में धन का व्यय अधिक होता है इसमें यह दोष है कि प्रतिनिधि अधिक होने से धन अधिक व्यय करते हैं जिससे इसमें दोष है जो इसकी दोष की विशेषता है।

(4) जन भावनाओं के अनुकूल नहीं :—

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली में जनता के अनुसार प्रतिनिधि नहीं चुने जाते। निर्वाचन क्षेत्र अधिक होने के कारण यह प्रणाली जन भावनाओं के अनुकूल नहीं है जो इसका दोष है।

पृष्ठ के अंकों का योग

9 | योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 9 के अंक = कुल अंक

उत्तर → (23)

(राजनीतिक दल)	(हित समूह)
(1) राजनीतिक दल का संगठन सुदृढ़ होता है। संगठित रहता है।	(1) हित समूह का संगठन व्यवस्थित नहीं रहता
(2) राजनीतिक दल के उद्देश्य व्यापक होते हैं।	(2) हित समूह के उद्देश्य सीमित होता है।
(3) राजनीतिक दलों का कार्य-क्षेत्र व्यापक होता है।	(3) हित समूह का कार्य-क्षेत्र सीमित रहता है
(4) राजनीतिक दल सत्ता को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।	(4) हित समूह का उद्देश्य सत्ता को प्राप्त करना नहीं होता।
(5) राजनीतिक दल शासन को चलाते हैं।	(5) हित समूह सत्ता का शासन नहीं चलाते।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

7 | योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 7 के अंक = कुल अंक 1.2

उत्तर → (24)

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्य :—

(1) अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाये रखना।

(2) राष्ट्रों के विवादों को आपसी समझौते व शांति पूर्वक, समझौतों के जरिये निपटाना।

(3) विश्व की विभिन्न समस्याओं, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं मानवतावादी समस्याओं का निराकरण करना।

(4) विभिन्न राष्ट्रों को आत्म निर्णय एवं समानता के आधार पर आपसी संबंधों को बढ़ावा देना।

(5) भावी पीढ़ी को युद्ध की विभीषिका से बचाना।

(6) पर्यावरण की रक्षा करना।

(7) शांति को स्थापित करना।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

⑧ [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 8 के अंक | कुल अंक

उत्तर > (26)

"संवैधानिक उपचारों का अधिकार संविधान की हृदय व आत्मा है"
क्यों कि इसी अधिकार के जरिये हम अपनी विभिन्न अधिकारों की रक्षा करते हैं।
"संविधानिक उपचार का अधिकार से न्यायाल[illegible] निम्न आदेश जारी कर सकता है —

(1) बन्दी प्रत्यक्षीकरण :—

इसके अंतर्गत यह आदेश उस दशा मे जारी किया जाता है जब उच्चत[illegible] न्यायालय किसी भी व्यक्ति को किस आधार[illegible] पर बंदी बनाया गया हो यदि बंदी बनाना गलत है तो न्यायालय उसे रिहा कर सकता[illegible]

(2) परमादेश :—

यह आदेश उस दशा मे जारी कर सकता है जब कोई ~~सजाद~~ सरकारी संस्था अपने कर्तव्य का निर्वाह अच्छी तरह से न कर रहा हो और मनुष्य के अधिकारों का हनन हो रहा हो।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

9

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 9 के अंक	=	कुल अंक
				16

(3) प्रतिषेध :—

इसके अंतर्गत यह आदेश तब जारी किया जाता है जब किसी न्यायालय द्वारा जो कार्य क्षेत्र के अंतर्गत न आने वाला कार्य किया जा रहा है।

(4) उत्प्रेषण :—

इसके अंतर्गत उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय अपने अधीनस्थ न्यायालय से किसी भी बारे में कागजात माँग सकता है।

(5) अधिकार पृच्छा :—

इसके अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति गलत तरीके से जनरक सरकारी पद ग्रहण कर लेता है तो उसे पदमुक्त किया जाता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(10) | 16 | + | | = | |

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 10 के अंक | कुल अंक

उत्तर → (26)

राज्य मानवाधिकार आयोग के कर्तव्यों का उल्लेख निम्न है :—

(1) सरकारी संस्था या संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार के उल्लंघन के शिकायती पत्रों की जाँच करना।

(2) मानव अधिकारों की रक्षा करना। यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके मूल अधिकारों का हनन हो रहा है तो वह न्यायालय की शरण ले सकता है।

(3) मानव अधिकारों की जानकारी को फैलाना उनके प्रति जागरूक करना।

(4) राज्य की किसी सरकारी संस्था व जेल में रह रहे किसी भी व्यक्ति की जीवन दशाओं का अध्ययन करना।

(5) राज्य व केन्द्र सरकार को मानवाधिकार की रक्षा के लिये निर्देश देना व क्रियान्वयन करवाना।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

11 | योग पूर्व पृष्ठ | + | पृष्ठ 11 के अंक | = | कुल अंक 93

उत्तर 3 (27)

असमानता लोकतंत्र के लिये बाधक है।
इसे निम्न विवेचन से समझा जा सकता है —

(1) लोगो में राजकीय कार्यो के प्रति उदासीनता :—

असमानता होने के कारण जनता राजकीय कार्यो के प्रति उदासीन होते है वे अपने उदर पूर्ति में लगे रहते है। राष्ट्रीय समस्या को को नही समझ पाते।

BSEMP

(2) आर्थिक ~~असमा~~ असमानता का प्रभाव :—

समाज में आर्थिक असमानता होने से लोग अपनी दैनिक जीवन की आवश्यकता को की पूर्ति मे लगे रहते है जिससे वह राष्ट्रीय समस्याओ के बारे मे नही सोचपाते

पृष्ठ के अंको का योग

(3) स्वतंत्रता के खत्म होने की संभावना :—

आर्थिक असमानता होने से स्वतंत्रता का भी हनन होता है क्योंकि असमानता की उपस्थिति मे ही स्वतंत्रता की रक्षा होती है।

(4) → राजनैतिक दलों में भ्रष्टाचार :—

असमानता होने से राजनैतिक दल गरीब जनता को धन का प्रलोभन देकर उनके मत को खरीद लेते है जो लोकतंत्र के लिये घातक है।

(5) असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन :—

असमानता के होने से असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन मिलता है। जो लोकतंत्र को घातक है।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि असमानता लोकतंत्र मे बाधक है।

BSEMP

(13) योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 13 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

उत्तर → (28) (अथवा)

भारत - मालदीप संबंध →

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध बनाने का प्रयत्न किया है। इसी नीति के अंतर्गत भारत ने मालदीप से भी अच्छे संबंध स्थापित करने का प्रयास किया।

(1) भारत द्वारा मालदीव के ऊपर खतरे का निवारण :—

भारत ने मालदीप के ऊपर आये खतरे को निवारण किया। मालदीप में तीसरी बार राष्ट्रपति की तैयारियां चल रही थी।

उसी समय मालदीप पर श्रीलंका के सैनिकों ने आक्रमण कर दिया। तो वहां के राष्ट्रपति ने भारत से मदद करने की प्रार्थना की।

भारत ने 18 घंटे के अंदर ही अपनी सेनाये भेज कर समस्या को अपने काबू में ले लिया।

इस प्रकार भारत व मालदीप के संबंध में मधुरता आयी।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(14) 23 + ____ = ____

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 14 के अंक | कुल अंक

(2) **भारत-मालदीव का समझौता :-**

भारत द्वारा सेना भेजकर समस्या पर अपना काबू करने के बाद और भी मधुर संबंध हो गये। और एक समझौता हुआ।

BSEMP

(3) **सामाजिक सांस्कृति, शिक्षा समझौता :-**

भारत व मालदीव के मध्य सामाजिक व शिक्षा से संबंधित एक समझौता हुआ जिसका उद्देश्य शिक्षा को उन्नत बनाना था।

(4) **मालदीव के राष्ट्रपति द्वारा भारत-यात्रा :-**

मालदीव के राष्ट्रपति भारत यात्रा पर आये और विभिन्न मामलों से समझौते व विचार व्यक्त किया जिससे संबंध में और मधुरता आयी।

(5) **चिकित्सा संबंधी समझौता :-**

भारत व मालदीव के मध्य एक अन्य समझौता हुआ जिसका उद्देश्य चिकित्सा के मामले में रोगियों की सुरक्षा हो सके।

उपर्युक्त विवेचन से ज्ञात होता है कि भारत व मालदीव के संबंध सदा अच्छे है।

उत्तर-(29)

समाजवाद की विशेषताये निम्न लिखित है-

(1) व्यक्ति की अपेक्षा समाज को अधिक महत्व :-

समाज वादी व्यक्ति की अपेक्षा समाज को अधिक महत्व देते है। वह कहते हैं कि समाज से ही उनके अधिकारों की रक्षा होगी।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(16) [27] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 16 के अंक — कुल अंक

(2) प्रतियोगिता का अंत :—

समाजवादी प्रतियोगिता का विरोध करते हैं। वह प्रतियोगिता का अंत करना चाहता है। उनका विचार है कि प्रतियोगिता के अंत होने से ही कल्याण होगा।

(3) उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व :—

समाजवादियों का मत है कि उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व होना चाहिए जिससे आर्थिक समानता की स्थापना हो सके।

(4) सकारात्मक अच्छाई के रूप में राज्य की मान्यता →

समाजवादी सकारात्मक अच्छाई के रूप में राज्य को मानते हैं वह समाज को ही उच्च मानते हैं।

(5) पूंजीवाद का विरोध :—

समाजवादी पूंजीवाद का विरोध करते हैं। वह पूंजीवाद के विरोधी हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(17) [ ] + [ ] = [32]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 17 के अंक | कुल अंक

(6) समाजवाद का विरोध :-

समाजवादी समाजवाद विरोध करते है। वह पूंजीवाद की तरह समाजवाद को भी विरोध नही करते। समाजवाद गलत है।

उत्तर 7 (30)

(अथवा)

निर्वाचन आयोग –

(1) निर्वाचन आयोग का गठन –

भारत मे निर्वाचन आयोग को त्रिसदस्यीय बना दिया गया है। पहले राष्ट्रपति के द्वारा इसे दो सदस्यीय बना गया था। परंतु वर्तमान मे त्रिसदस्यीय है।

(2) निर्वाचन आयोग की नियुक्ति :-

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(18) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 18 के अंक — कुल अंक

भारत मे निर्वाचन आयोग की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। तथा निर्वाचन आयोग की नियुक्ति मुख्य निर्वाचन आयोग के द्वारा की जाती है।

(3) निर्वाचन आयोग के सदस्यों का कार्यकाल →

निर्वाचन आयोग की नियुक्ति 5 वर्ष के लिये की जाती है पर 70 वर्ष की अवधि पूरी करने पर पद मुक्त होना पड़ता है।

(4) पदमुक्ति :—

निर्वाचन आयोग की पदमुक्ति उसी प्रकार होती है जिस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को नीति अपनायी जाती है।

(5) वेतन व्यवस्था :—

निर्वाचन आयोग के सदस्यों के लिये वेतन व्यवस्था केन्द्र व राज्य सरकार करती रहती है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

(19) [ ] + [ ] = [32]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 19 के अंक | कुल अंक

(ङ) अन्य कार्मिकों की नियुक्ति :—

राष्ट्रपति निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर कार्य की सुविधा के लिये अन्य कार्मिकों की नियुक्ति करता है। जो निर्वाचन आयोग के अधीन कार्य करता है।

उत्तर → (1)

समानता का सामान्य अर्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के अपने चहुमुखी विकास करने के समान अवसर प्राप्त हो। विशेष सुविधा भी का अंत हो।

उत्तर (2)

उदारवाद की दो विशेषताएं निम्न है—

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(20) [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 20 के अंक — कुल अंक

(1) मानवीय विवेक में आस्था →

उदारवादी की विशेषता है कि वे मानवीय विवेक में आस्था रखते है। मानवीय विवेक का विकास चाहते है।

(2) धर्मनिरपेक्षराज्य में आस्था →

उदारवादी का उत्थान धर्म के निरंकुश शासन के विरुद्ध हुआ था। इसलिये उदारवादी धर्म निरपेक्ष राज्य की आस्था रखते है।

उत्तर (3)

कानून की परिभाषा →

जॉन ऑस्टिन → "कानून सम्प्रभु की आज्ञा है।"

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर क्र (4)

समाजवाद →

समाजवाद का सरल अर्थ है कि समाजवाद का उद्देश्य उत्पादन के साधनों पर (आर्थिक एवं भौतिक) को संगठित करना एवं मानव साधनो द्वारा उन पर अधिकार जमाना।

उत्तर क्र (5)

लोक कल्याण कारी राज्य :—

लोक कल्याण कारी राज्य की धारणा ऐसे राज्य से है जिसमें शासन की शक्तियों का प्रयोग किसी विशेष समुदाय के लिये नहीं बल्कि उसका उपयोग समस्त समुदाय के लिये किया जाये।

जो राज्य जितने अधिक कार्य करता है वह उतना ही लोक कल्याण कारी राज्य माना जाता है।

BSEMP

(22) | 5 | + | | = | |
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 22 के अंक | कुल अंक

उत्तर → (6)

जब किसी राष्ट्र के समस्त वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के उसकी वयस्कता के आधार पर मत देने का अधिकार होता है तो उसे 'वयस्क मताधिकार' कहते हैं।

वयस्कता से अर्थ है वह एक निश्चित आयु पूरी कर ले।

B S E M P

उत्तर → (7)

"हित समूह ऐसे व्यक्तियों का संगठित समूह होता है जो अपने किसी विशेष कार्यक्रम से राजनैतिक दलों को प्रभावित नहीं करते। वह केवल अपने कुछ विशिष्ट हितों की साधना के लिये शासन पर दबाव डालते हैं।"

पृष्ठ ४

C. No. 24004 पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

23

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक 53

मध्यप्रदेश

उत्तर → (8)

मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को मनाया जाता है।

उत्तर → (9)

अलगाववाद :-

अलगाववाद एक संकीर्ण विचार धारा है जो 'राष्ट्र' को विघटित करती है। इसके अंतर्गत किसी सम्प्रदाय विशेष के द्वारा 'राष्ट्र' से अलग क्षेत्र की माँग करते हैं। इसे अलगाववाद कहते हैं।

24

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

उत्तर क्र (10)

भारत की गुटनिरपेक्षता का अर्थ है कि किसी भी गुट में शामिल न होना और महाशक्तियों से कोई सैनिक समझौता नहीं करना।

भारत ने किसी भी गुट में शामिल न होकर निम्न मार्ग अपनाया -
(1) स्वतंत्र विदेश नीति।
(2) राष्ट्र संघ में आस्था।

उत्तर क्र (11)

धार्मिक स्वतंत्रता ->

धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ है कि बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्रता पूर्वक अपने धर्म विशेष में मान्यता रखना।

व्यक्ति पूर्ण रूप से धर्म के मामले में स्वतंत्र रहता है। और राज्य की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाता।

पृष्ठ के अंकों का योग

2007

C.No. 24004 पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील

परीक्षक के लिये

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक कोड नं. 242012

6. परीक्षा का नाम

7. विषय 8. माध्यम

8. दिनांक

पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

B S E M P

राज्य की ओर से किसी भी धर्म को राज धर्म के रूप में नहीं माना जाये।
यही धार्मिक स्वतंत्रता का मूल मंत्र है।

उत्तर → (12)

राष्ट्रीय स्वतंत्रता

जिस प्रकार नागरिक स्वतंत्रता होती है। नागरिक प्रत्येक मामले में स्वतंत्र रहता है। उस पर किसी प्रकार का बंधन नहीं होता
इसी प्रकार राष्ट्र भी अपनी

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ | 59 + | | = | |
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 2 के अंक | कुल अंक

विदेश नीति को अपनाने और अंतर्राष्ट्रीय घटना पर अपना मत, समर्थन एवं विरोध प्रकट कर सके यही राष्ट्रीय स्वतंत्रता होती है।

इसके अंतर्गत राष्ट्र को निम्न —

(1) स्वतंत्र विदेश नीति।
(2) अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर विचार व्यक्त करना।

B S E M P

उत्तर 7 (13)

लोककल्याण कारी राज्य की तीन विशेषताएँ —

(1) सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था है —

लोककल्याण कारी राज्य की यह भी विशेषता है कि इसमें सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था की गयी हो प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास की

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 3 के अंक	=	कुल अंक
				62

स्वतंत्रता है।

(2) राजनैतिक सुरक्षा :—

लोक कल्याण कारी राज्य में राजनैतिक सुरक्षा की व्यवस्था होती है। प्रत्येक नागरिक अपनी योग्यता के अनुसार पद ग्रहण करने की स्वतंत्रता होती है।

(3) राष्ट्रीय सुरक्षा :—

लोक कल्याण कारी राज्य में राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया जाता है। क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा से होने पर ही विकास संभव है। राष्ट्रीय सुरक्षा की व्यवस्था है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

62	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 4 के अंक		कुल अंक

उत्तर (14)

राजनीतिक दलों के कार्य :—

(1) दल की स्थिति सुदृढ़ करना :—

राजनीतिक दल अपने दल की स्थिति को दृढ़ करने का प्रयास करते हैं। दल को दृढ़ करने के लिये विभिन्न कार्य करते हैं।

(2) अपने पक्ष में जनमत तैयार करना :—

राजनीतिक दल अपने पक्ष में जनमत तैयार करते हैं। अपने विभिन्न कार्यों से वह अपने पक्ष में जनमत निर्माण करते हैं।

(3) दल की सदस्य संख्या में वृद्धि :—

राजनीतिक दल सदस्य संख्या बढ़ाने का प्रयत्न करते हैं। दल को

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

007

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील

परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक कोड नं. 242012

5. परीक्षा का नाम

7. विषय 8. माध्यम

9. दिनांक

पृष्ठ

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 860174

1. परीक्षार्थी का रोल नम्बर (अंग्रेजी अंकों में)

2. रोल नम्बर शब्दों में

सुढ़ण करने का प्रयास करते हैं। सदस्य संख्या बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

BSEMP

उत्तर 7 (ई)

भारत में मानव अधिकार की स्थिति को सुढ़ण करने के लिये विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं।

भारत में समय-समय पर नागरिकों को उनके विकास के लिये विभिन्न योजनाये चलाई जारही हैं।

(1) भारत में जब भी किसी क्षेत्र में मानव अधिकारों का हनन हुआ तो राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने उसे उसको अधिकार को प्रदान करने का प्रयास किया।

पृष्ठ के अंकों का योग

पृ ग

68 + =

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 2 के अंक

कुल अंक

(४) भारत में स्त्री - शोषण, बेगारी प्रथा, सती को का अंत कर दिया है।

(५) किसानों के अधिकारों को रखने के लिये, मज के अधिकारों की रक्षा के लिये विभिन्न कार्य चल रहे हैं।

B (६) भारत में मानव को अपने व्यक्तित्व के विका के लिये उचित मानवीय परिस्थिति उपलब्ध

S कराई जा रही हैं।

E निष्कर्ष :—

M यद्यपि भारत में मानव अधिकार आयोग के द्वारा मानवों के अधिकारों की रक्षा के लिये

P अनेक कार्य चल रहे पर अभी भी बहुत कुछ करना आवश्यक है।

उत्तर (16)

भारतीय लोकतंत्र की तीन समस्यायें इस प्रकार हैं :—

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 3 के अंक	=	कुल अंक
				7.0

(1) सम्प्रदायवाद :—

सम्प्रदायवाद भारतीय लोकतंत्र के समक्ष एक जटिल समस्या है। देशमें अनेक सम्प्रदाय हो गये हैं। जो राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिये घातक है।

B S E M P

(2) अलगाववाद :—

अलगाववाद भी भारतीय लोकतंत्र के समक्ष एक भयंकर जटिल समस्या है। इससे वशीभूत होकर लोग राष्ट्रीयधारा से अलग रहने लगते हैं। यह राष्ट्र की एकता को घातक है।

(3) आर्थिक विषमता व हिंसा :—

भारतीय लोकतंत्र में आर्थिक विषमता है। कहीं लोग अमीर हैं तो कहीं पर गरीब है। जिससे राष्ट्र का विकास नहीं हो पाता। हिंसा भी एक गंभीर समस्या है।

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

70	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 4 के अंक		कुल अंक

पृष्ठ

उत्तर → (17)

भारत - श्रीलंका के मध्य मतभेद के कारण →

(1) समुद्री सीमा संबंधी विवाद :—

भारत और श्रीलंका के मध्य मतभेद का कारण है कि यहाँ पर प्राकृतिक सीमा नहीं है। जिससे कई बार युद्ध की नौबत आ जाती है।

B
S
E
M
P

(2) हिन्द महासागर के अधिकार पर विवाद :—

भारत - श्रीलंका के मतभेद का यह भी एक जिम्मेदार कारण है जिससे दोनों के मध्य मतभेद बना रहता है। सहयोग का विकास नहीं होता।

पृष्ठ के अंक का योग

(3) → भारतीय मूल के तमिलों को नागरिकता संबंधी मतभेद :—

भारत व श्रीलंका के मतभेद का यह प्रमुख कारण है जिसके दोनों देशों के मध्य आपसी संबंध स्थापित नहीं हो पाता है।

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

C.No.240021

2007

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

केन्द्र की सील

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

केन्द्र क्रमांक कोड नं. 242012

परीक्षा का नाम

विषय 8. माध्यम

9. दिनांक

पृष्ठ

BSEMP

उत्तर → (18) (अथवा)

सुरक्षा परिषद के तीन कार्य निम्न हैं—

(1) नियुक्ति संबंधी कार्य →

महासभा संघ के विभिन्न अधिकारियों की नियुक्ति करता है। महासभा अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों, आर्थिक व सामाजिक परिषद, सचिव आदि की नियुक्ति करता है।

(2) निर्वाचन संबंधी कार्य →

महासभा राष्ट्र संघ के शामिल होने वाले राष्ट्रों का निर्वाचन करती है

पृष्ठ

13	+	3	=	16
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 2 के अंक		कुल अंक

महासभा राष्ट्र संघ में शामिल होने वाले राष्ट्रों की योग्यता व अयोग्यता का निर्धारण करती है।

(3) चार्टर के संशोधन में :—

महासभा चार्टर के संशोधन में भाग लेती है। चार्टर के संशोधन में भाग लेकर अनावश्यक कानूनों को निरस्त करने का कार्य करती है।

उत्तर > (19)

संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के चार योगदान :—

(1) चार्टर निर्माण में →

भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चार्टर निर्माण में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

BSEMP

पृष्ठ

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 3 के अंक	=	कुल अंक
				80

(2) संघ के सदस्य राष्ट्रों की संख्या बढ़ाने में →

भारत ने संघ के सदस्य राष्ट्रों की संख्या बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत ने राष्ट्रों की संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(3) संघ के शांति प्रयासों में योगदान :→

भारत ने संघ के शांति कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत ने कांगो की समस्या हल करके सराहनीय कार्य किया। यह भारत का महत्वपूर्ण योगदान है

(4) गुटनिरपेक्षता आंदोलन को बढ़ाने में योगदान →

भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति का शुभारंभ किया। भारत ने इस महान आंदोलन को प्रभावी बनाने व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एक विशिष्ट स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

उत्तर → (20)

प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के चार गुण :—

(1)→ भ्रष्टाचार में कमी :—

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली का [illegible] बड़ा गुण ये है कि इसमें भ्रष्टाचार की संभावना [illegible] कम होती है। प्रतिनिधि जनता के प्रति उत्तरदा[illegible] होते हैं। प्रत्यक्ष निर्वा मतदान की ये गुण है [illegible]

(2)→ जनता में राजनैतिक जागृति :—

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रण[illegible] में जनता में राजनैतिक जागृति होती है। जनता को [illegible] अपने मत का उचित प्रयोग करने की योग्यता [illegible] होती है। जनता जागरूक होती है। प्रत्यक्ष निर्वा[illegible] में जनता व सरकार के बीच सद्भावना का विका[illegible] होता है।

BSEMP

प के अंकों का योग

2007

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक C.No.24002
6. परीक्षा का नाम
7. विषय 8. माध्यम
8. दिनांक

पृष्ठ

परीक्षक के लिये
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 860614

1. परीक्षार्थी का रोल नम्बर (अंग्रेजी अंकों में)

2. रोल नम्बर शब्दों में

BSEMP

(4) → प्रतिनिधियों में उत्तरदायित्व की भावना का विकास →

प्रत्यक्ष मतदान में जनता स्वयं अपने प्रतिनिधि को चुनते है। इसलिये प्रतिनिधि जनता के प्रति उत्तरदायी होते है। उनके मतों का सम्मान करते है।

(5) प्रतिनिधि (सरकार) व जनता के बीच सद्भावना →

प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली में सरकार व जनता के बीच सदभावना का विकास होता है। जनता व सरकार में परस्पर सम्पर्क रहता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग